

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS) के अन्तर्गत
शास्त्री+आचार्य (पञ्चवर्षीय) पाठ्यक्रम के लिए निर्मित पाठ्यक्रम की रूप रेखा

| कक्षा | सत्रार्थम् | पत्रकूटाइकः | पाठ्यक्रमस्य विवरणम् | क्रेडिट क्रमः | क्रेडिट संख्या | होरा |
|----------|------------|-------------|--|------------------|-------------------|------|
| आचार्य-1 | प्रथमम् | DSCC-16 | <p>काव्यस्वरूपं शब्दवृत्तयश्च</p> <p>1. मम्मटसम्मतं काव्यस्वरूपम्</p> <ul style="list-style-type: none"> • मम्मटस्तस्य काव्यप्रकाराश्च • मङ्गलपदे ध्वनितं काव्यस्वरूपम् • काव्यस्य प्रयोजनम् • काव्यस्य कारणम् • काव्यस्य स्वरूपम् • काव्यस्य भेदाः <p>2. शब्दवृत्तयः</p> <ul style="list-style-type: none"> • शब्दार्थभेदाः • अर्थस्य व्यञ्जकत्वम् • अभिधा • सकेतप्रहः • लक्षणा • व्यञ्जना <p>3. व्यञ्जनाविषयकः पूर्वपक्षः</p> <ul style="list-style-type: none"> • अभिधायां व्यञ्जनाया अन्तर्भावः • लक्षणायां व्यञ्जनाया अन्तर्भावः • अखण्डवाक्यार्थवादः • अनुमाने व्यञ्जनाया अन्तर्भावः <p>4. व्यञ्जनाविषयक उत्तरपक्षः</p> <ul style="list-style-type: none"> • अभिधायामन्तर्भावस्य निराकरणम् • वाच्य-व्यञ्गयोर्भेदः • निमित्तैमितिकविवेकः • मीमांसासूत्रविरोधः • लक्षणायामन्तर्भावस्य निराकरणम् • अखण्डवाक्यार्थवादमतालोचनम् • अनुमाने व्यञ्जनाया अन्तर्भावस्य निराकरणम् • व्यञ्जनाया अनिवार्यता • व्यञ्जनाविषयक उत्तरपक्षः • ध्वनिभेदो रसस्वरूपं च <ol style="list-style-type: none"> 1. ध्वनिभेदः 2. रसस्वरूपम् 3. रससूत्रस्य व्याख्यानम् | 4 | 64+16 | |

- 2 -

| | | | | |
|--|--|--|--|--|
| | | <p>उद्देश्यम्:- काव्यस्वरूपस्य शब्दशक्तिनां च परिज्ञापनम्</p> <p>परिणामः:- अस्य पाठ्यक्रमस्य अध्ययनात् अनन्तरं</p> <p>छात्राः:-</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. काव्यस्वरूपपरिज्ञानम् 2. काव्यस्य प्रयोजनज्ञानम् 3. काव्यभेदज्ञानम् 4. काव्ये वृत्तज्ञानम् 5. व्यञ्जनज्ञानं च प्राप्यन्ति। <p>पाठ्यग्रन्थः:- 1. काव्यप्रकाशः (निर्धारितांशाः), मम्मटः, भट्टवामनाचार्यः, (झलकीकरः), परिमत- पब्लिकेशनम्, दिल्ली, 2008</p> <p>सहायकग्रन्थः-</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. काव्यात्ममीमांसा, डा. श्रीजयमन्तमिश्र, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2005 2. संस्कृतकाव्यशास्त्र का इतिहास, पी.वी.-काणे, डा. ईश्वरचन्द्रशास्त्री, मोतीलालबनारसीदास, दिल्ली, 2007 3. संस्कृतकाव्यशास्त्र का इतिहास, डा. सुशीलकुमार डे, श्रीमायाराम शर्मा, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना, 1988 4. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधि सिद्धान्त, डा. राजवंश सहाय हीरा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 1967. <p>परीक्षामूल्याङ्कनपद्धतिः:- 1. वैकल्पिकप्रश्नोत्तराणि, 2. एकेन वाक्येन उत्तरलेखनम् 3. लघुतीयप्रश्नाः, 4. दीर्घोत्तरप्रश्नाः।</p> <p>आन्तरिकमूल्याङ्कनम्- अधोलिखितेषु कानिचित् चत्वारि आग्रित्य मूल्याङ्कनं विधेयम्- 1. कार्यशालासु भागग्रहणम्, 2. प्रदत्तकार्यलेखनम्, 3. पाठ्यविषयाधारेण विडियोनिर्माणम्, 4. लघुनाटकभिनयः, 5. शास्त्रसंजीवनीकार्यक्रमे भागग्रहणम्, 6. वार्षिकीसभायाम् अधीतिविषयप्रस्तुतिः।</p> | | |
|--|--|--|--|--|

३०



राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS) के अन्तर्गत
शास्त्री+आचार्य (पञ्चवर्षीय) पाठ्यक्रम के लिए निर्मित पाठ्यक्रम की रूप रेखा

| कक्षा | सत्राधीम् | पत्र-कूटाइकः | पाठ्यक्रमस्य विवरणम् | क्रेडिट क्रमः | क्रेडिट संख्या | होरा | | |
|----------|-----------|--------------|---|---------------|----------------|------|-------|--|
| आचार्य-1 | प्रथमम् | DSCC-17 | <p>ध्वनिसिद्धान्तः</p> <p>1. ध्वनिप्रस्थानपरम्परा</p> <ul style="list-style-type: none"> ध्वन्यालोकस्य परिचयः ध्वन्यालोकस्य वैशिष्ट्यम् आनन्दवर्धनस्य शास्त्रवैद्यम् ध्वने: काव्यात्मत्वम् <p>2. ध्वनिस्थापनम्-</p> <ul style="list-style-type: none"> ध्वने: अभाववादः भाक्तवादः: अनिर्वचनीयवादः च प्रतिभाविशेषः: वस्तुतत्त्वम् लक्षणामूलध्वनिः अभिधामूलध्वनिः च <p>3. ध्वनिप्रकाराः-</p> <ul style="list-style-type: none"> अविवक्षितवाच्यध्वनिः विवक्षितान्यपरबाच्यध्वनिः अर्थान्तरसङ्क्रमितवाच्यध्वनिः अत्यन्ततिरस्कृतवाच्यध्वनिः ध्वनिप्रकाराणाम् उदाहरणानि <p>4. रसप्रधानाः</p> <ul style="list-style-type: none"> रसप्रधाने काव्ये अलङ्कारस्य सन्निवेशप्रकारः शब्दशक्तिमूलध्वनिः अर्थशक्तिमूलध्वनिः अभिधामूलध्वनिः गुणीभूतव्यहृत्यत्वं ध्वनिप्रकाराणाम् उदाहरणानि <p>उद्देश्यम्- ध्वनिविरोधिमतस्य ध्वनिसिद्धान्तस्य च बोधनम्। परिणामाः- अस्य पाठ्यक्रमस्य अध्ययनात् अनन्तरं छात्राः-</p> <ol style="list-style-type: none"> ध्वने: महाविषयत्वज्ञानम्, ध्वने: काव्यात्मत्वज्ञानम्, ध्वने: प्रकारतोदाहणादिज्ञानम्, रसादीनां महत्त्वज्ञानं च प्राप्त्यन्ति। <p>पाठ्यग्रन्थः- आनन्दवर्धनस्य ध्वन्यालोकः, 1, 2 उद्योगी। सहायकग्रन्थाः-</p> <ol style="list-style-type: none"> काव्यात्मपीमांसा, डा. श्रीजयमन्तमिश्र, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2005. संस्कृतकाव्यशास्त्र का इतिहास, पी.वी.-काणे, डा. ईश्वर चन्द्रशास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली, 2007. | 4 | 64+16 | 1 | 16+04 | |



| | | | | | |
|--|--|--|---|--|--|
| | | | <p>3. संस्कृतकाव्यशास्त्र का इतिहास, डा-सुशीलकुमार डे, श्रीमायाराम शर्मा, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना, 1988.</p> <p>4. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधि सिद्धान्त, डा-राजवंश सहाय हीरा, चौखम्बा विद्यालयन, वाराणसी 1967.</p> <p>परीक्षामूल्याङ्कनपद्धतिः:- 1. वैकल्पिकप्रश्नोत्तरणि, 2. एकेन वाक्येन उत्तरलेखनम् 3. लघूतरीयप्रश्ना, 4. दीर्घोत्तरप्रश्नाः।</p> <p>आन्तरिकमूल्याङ्कनम्- 1. कार्यशालाम् भागग्रहणम्,</p> <p>2. प्रदत्तकार्यलेखनम्, 3. पाठ्यविषयाधारेण विडियोनिमाणिणम्,</p> <p>4. लघुनाटकाभिनयः, 5. शास्त्रसंज्ञीवनीकार्यक्रमे भागग्रहणम्,</p> <p>6. वाक्यधिनीसभायाम् अधीतिविषयप्रस्तुतिः।</p> | | |
|--|--|--|---|--|--|



—
—
—
—

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS) के अन्तर्गत शास्त्री+आचार्य (पञ्चवर्षीय) पाठ्यक्रम के लिए
निर्मित पाठ्यक्रम की रूपरेखा

| कक्षा | सत्रार्धम् | पत्रकूटाङ्कः | पाठ्यक्रमस्य विवरणम् | क्रेडिट क्रमः | क्रेडिट संख्या | होरा | | |
|------------------------|------------|--------------|---|------------------|-------------------|-------|-------|-------|
| आचार्य- प्रथमवर्षम् | प्रथमम् | DSCC 18 | <p>पण्डितराजजदिशा काव्यस्य लक्षणम्, भेदाः, कारणं, रसस्वरूपं च</p> <p>१. काव्यलक्षणम्</p> <ul style="list-style-type: none"> पण्डितराजजगन्नाथस्य परिचयः साहित्यशास्त्रे रसगङ्गाधरस्य स्थानम् मङ्गलाचरणम् काव्यलक्षणविचारः <p>२. काव्यकारणम्</p> <ul style="list-style-type: none"> ममटोक्तकाव्यलक्षणखण्डनम् विश्वनाथोक्तकाव्यलक्षणखण्डनम् प्रतिभा व्युत्पत्त्यभ्यासौ <p>३. काव्यभेदाः</p> <ul style="list-style-type: none"> उत्तमोत्तमकाव्यम् उत्तमकाव्यम् मध्यमकाव्यम् अधमकाव्यम् <p>४. रसस्वरूपम्</p> <ul style="list-style-type: none"> जगन्नाथमतेन रससूत्रव्याख्या अभिनवगुप्तसम्मतस्य रसस्वरूपस्य जगन्नाथदृष्ट्या व्याख्यानम् भट्टनायकसम्मतस्य रसस्वरूपस्य जगन्नाथदृष्ट्या व्याख्यानम् नव्यमतं अन्येषां मतानुसारं रसव्याख्यानं च उद्देश्यम्- जगन्नाथसम्मतानां काव्यलक्षणभेदानां रसस्वरूपविषयाणाम् एकादशमतानां च बोधनम् <p>परिणामः- अस्य पाठ्यक्रमस्य अध्ययनात् अनन्तरं छात्राः-</p> <ol style="list-style-type: none"> जगन्नाथोक्तकाव्यलक्षणकारणपरिज्ञानम् परकीयादिसम्मतस्य रसस्वरूपस्य परिज्ञानम् रससूत्रव्याख्याने अभिनवगुप्तीयस्य व्याख्यानस्य परिज्ञानम् भट्टनायकमते रसस्वरूपस्य परिज्ञानम् नव्यमतदृष्ट्यस्य परिचयवाप्तिः च प्राप्त्यन्ति। <p>पाठ्यग्रन्थः- रसगंगाधरः, पं. जगन्नाथः, बदरीनाथज्ञा-, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2016</p> <p>सहायकग्रन्थाः -</p> <ol style="list-style-type: none"> संस्कृतकाव्यशास्त्र का इतिहास, डासुशीलकुमार डे,-, श्रीमायाराम शर्मा, विहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना, 1988 | 4 | 64+16 | 16+04 | 16+04 | 16+04 |

| | | | | |
|--|--|--|--|--|
| | | <p>2. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधि सिद्धान्त, डाराजवंश सहाय - हीरा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 1967</p> <p>3. संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (काव्यशास्त्रखण्ड), बलदेवउपाध्याय, उत्तरादेशसंस्कृतसंस्थान, लखनऊ।</p> <p>परीक्षामूल्याङ्कनप्रस्तुतिः- 1. वैकल्पिकप्रश्नोत्तराणि, 2. एकेन वाक्येन उत्तरलेखनम् 3. लघूत्तरीयप्रश्नाः, 4. दीर्घोत्तरप्रश्नाः।</p> <p>आन्तरिकमूल्याङ्कनम्- अधोलिखितेषु कानिचित् चत्वारि आग्रित्य मूल्याङ्कनं विधेयम्- 1. कार्यशालासु भागग्रहणम्, 2. प्रदत्तकार्यलेखनम्, 3. पट्टविषयाधारेण विडियोनिर्माणम्, 4. लघुनाटकाभिनयः, 5. शास्त्रसंजीवनीकार्यक्रमे भागग्रहणम्, 6. वाक्यविभीसभायाम् अद्यातिविषयप्रस्तुतिः।</p> | | |
|--|--|--|--|--|



—

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS) के अन्तर्गत
शास्त्री+आचार्य (पञ्चवर्षीय) पाठ्यक्रम के लिए निर्मित पाठ्यक्रम की रूप रेखा

| कक्षा | सत्राधीम् | पत्रकूटाङ्क: | पाठ्यक्रमस्य विवरणम् | क्रेडिटक्रमः | क्रेडिटसंख्या | होरा |
|----------|-----------|--------------|---|--------------|---------------|-------|
| आचार्य-1 | प्रथमम् | DSCC-19 | वक्रोक्तिसिद्धान्तः 1. कुन्तकसम्मतं काव्यस्य प्रयोजनं लक्षणं च <ul style="list-style-type: none"> ● कुन्तकस्य परिचयः ● वक्रोक्तिजीवितस्य सामान्यपरिचयः ● काव्यप्रयोजनम् ● काव्यलक्षणम् ● शब्दार्थस्वरूपम् ● वक्रोक्तिस्वभावोक्तिसमीक्षणम् ● साहित्यस्वरूपम् 2. वर्णविन्यासाद्या: चत्वारो वक्रोक्तिप्रकाराः <ul style="list-style-type: none"> ● वर्णविन्यासवक्रता ● पदपूर्वार्द्धवक्रता ● प्रत्ययाश्रयवक्रता ● वाक्यवक्रता 3. प्रकरण-प्रबन्धवक्रता, बन्धः, सुकुमारमार्गश्च <ul style="list-style-type: none"> ● प्रकरणवक्रता ● प्रबन्धवक्रता ● बन्धस्वरूपम् ● बन्धस्याहृदकारित्वम् ● सुकुमारमार्गस्वरूपम् ● सुकुमारमार्गस्य गुणाः 4. विचित्रमाध्यममार्गः, मार्गसामान्यगुणश्च <ul style="list-style-type: none"> ● विचित्रमार्गस्वरूपम् ● विचित्रमार्गस्य गुणाः ● मध्यममार्गस्वरूपम् ● मार्गसामान्यगुणौ ● औचित्यगुणः ● सौभाग्यगुणः उद्देश्यम्- वक्रोक्तिसिद्धान्तस्य ज्ञापनम्। परिणामाः- अस्य पाठ्यक्रमस्य अध्ययनात् अनन्तरं छात्राः- 1. वक्रोक्तिप्रकारान् ज्ञास्यन्ति 2. वक्रोक्ते: प्रयोगान् स्वयं कर्तुं प्रभविष्यन्ति 3. वक्रोक्तिविवेचनं ज्ञात्वा लक्ष्यग्रन्थान् च विवेचयिष्यन्ति। पाठ्यग्रन्थः- वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उम्मेषः) सहायकग्रन्थाः- 1. संस्कृतकाव्यशास्त्र का इतिहास, डा- | 1 | 4 | 64+16 |
| | | | | 1 | 16 + 4 | |
| | | | | 1 | 16 + 4 | |
| | | | | 1 | 16 + 4 | |
| | | | | 1 | 16 + 4 | |

| | | | | |
|--|--|--|--|--|
| | | <p>सुशीलकुमार डे, श्रीमायाराम शर्मा, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना, 1988</p> <p>2. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधि सिद्धान्त, डा-राजवंश सहाय हीरा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 1967</p> <p>3. संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (काव्यशास्त्रखण्ड), बलदेवउपाध्याय, उत्तरप्रदेशसंस्कृतसंस्थान, लखनऊ।</p> <p>परीक्षामूल्यांकनपद्धति:- 1. वैकल्पिकप्रश्नोत्तराणि, 2. एकेन वाक्येन उत्तरलेखनम् 3. लघूत्तरप्रश्नाः, 4. दीर्घोत्तरप्रश्नाः। आन्तरिकमूल्यांकनम्- अधोलिखितेषु कानिचित् चत्वारि आश्रित्य मूल्यांकनं विधेयम्- 1. कार्यशालासु भागप्रहणम्, 2. प्रदत्तकार्यलेखनम् 3. पाठ्यविषयाधारेण विडियोनिमाणम्, 4. लघुनाटकाभिनयः, 5. शास्त्रसंजीवनीकार्यक्रमे भागप्रहणम्, 6. वाग्वर्धीनीसभायाम् अधीतिविषयप्रस्तुतिः।</p> | | |
|--|--|--|--|--|



—
—
—
—
—